Salasar Balaji Aarti Lyrics

श्री सालासर बालाजी की आरती इस प्रकार है

जयति जय जय बजरंग बाला,
कृपा कर सालासरवाला वाला
चौत सुदी पूनम को जन्मे,
अंजनी पवन खुशी मन में द्य
प्रकट भये सुर वानर तन में,
विदित यस विक्रम त्रिभुवन में
दूध पीवत स्तन मात के,
नजर गई नभ ओर द्य
तब जननी की गोद से पहुंचे,
उदयाचल पर भोर द्य
अरुण फल लखि रवि मुख जयति जय जय

|२|

तिमिर भूमण्डल में छाई,
चिबुक पर इन्द्र बज्र बाए द्य
तभी से हनुमत कहलाए,
द्वय हनुमान नाम पाये द्य
उस अवसर में रूक गयो,
पवन सर्व उन्चास द्य
इधर हो गयो अन्धकार,
उत रुक्यो विश्व को श्वास द्य
भये ब्रह्मादिक बेहाला द्यद्यजयति जय जय२..द्यद्य२द्यद्य

देव सब आये तुम्हारे आगे,
सकल मिल विनय करन लागे द्य
पवन कू भी लाए सागे,
क्रोध सब पवन तना भागे द्य
सभी देवता वर दियो,
अरज करी कर जोड़ द्य
सुनके सबकी अरज गरज,
लखि दिया रवि को छोड़ द्य
हो गया जगमें उजियाला जय जय २२

InstaAstro

रहे सुग्रीव पास जाई,
आ गये बन में रघुराई द्य
हरी रावण सीतामाई,
विकल फिरते दोनों भाई द्य
विप्र रूप धरि राम को,
कहा आप सब हाल द्य
कपि पति से करवाई मित्रता,
मार दिया कपि बाल द्य
दुःख सुग्रीव तना टाला जय जय २
आज्ञा ले रघुपति की धाया,
लंक में सिन्धु लाँघ आया द्य
हाल सीता का लख पाया,
मुद्रिका दे बनफल खाया द्य
बन विध्वंस दशकंध सुत,
वध कर लंक जलाय द्य
चूड़ामणि सन्देश सिया का,
दिया राम को आय द्य
हुए खुश त्रिभुवन जय जय
जोड़ कपि दल रघुवर चाला,
कटक हित सिन्धु बांध डाला द्य
युद्ध रच दीन्हा विकराला,
कियो राक्षस कुल पैमाला द्य
लक्षमण को शक्ति लगी,
लायौ गिरी उठाय द्य
देई संजीवन लखन जियाये,
रघुवर हर्ष सवाय द्य
गरब सब रावण का गाला जयति जय जय
रची अहिरावण ने माया,
सोवते राम लखन लाया द्य
बने वहाँ देवी की काया,
करने को अपना चित चाया द्य
अहिरावण रावण हत्यौ,
फेर हाथ को हाथ

मन्त्र विभीषण पाय आप को द्य
हो गयो लंका नाथ द्य
खुल गया करमा का ताला जयति जय जय
अयोध्या राम राज्य किना,
आपको दास बना लीना द्य
अतुल बल घृत सिन्दूर दीना,
लसत तन रूप रंग भीना द्य
चिरंजीव प्रभु ने कियो,
जग में दियो पुजाय द्य
जो कोई निश्चय कर के ध्यावै,
ताकी करो सहाय द्य
कष्ट सब भक्तन का टाला जयति जय जय
भक्तजन चरण कमल सेवे,
जात आय सालासर देवे द्य
ध्वजा नारियल भोग देवे,
मनोरथ सिद्धि कर लेवे द्य
कारज सारो भक्त के,
सदा करो कल्यान द्य
विप्र निवासी लक्ष्मणगढ़ के,
बालकृष्ण धर ध्यान द्य
नाम की जपे सदा माला,
कृपा कर सालासर जयति जय जय

InstaAstro